



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग ३-खण्ड ३-उप-खण्ड (II)  
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 549] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 18, 1982/अग्रहायण 27, 1904  
No. 549] NEW DELHI, SATURDAY, DEC. 18, 1982/AGRAHAYAN 27, 1904

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में  
रखा जा सके  
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग संग्रालय  
(औद्योगिक विकास विभाग)

आवेश

नई दिल्ली, 18 दिसम्बर, 1982

का० आ० 851(अ) -- केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम,  
1951 (1951 वा 65) की धारा 18-छ और धारा 25 द्वारा प्रवृत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते  
हुए, सीमेन्ट नियंत्रण आदेश, 1967 में और सजाधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है,  
अर्थात् --

- 1 (1) इस आदेश का सक्षिप्त नाम सीमेन्ट नियंत्रण (चतुर्थ सजाधन) आदेश, 1982 है।
- (2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. सीमेंट नियंत्रण आदेश, 1967 के पैरा 9 को उसके पैरा (1) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपपैरा (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपपैरा अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(2) यदि कोई उत्पादक, उपपैरा (1) में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय करने में असफल रहता है तो वह उस रकम पर साधारण व्याज का संदाय करने के लिए दायी होगा जो उस संदाय के व्यतिक्रम की अवधि के लिए 20 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से संगणित किया जाएगा।”

[फा० सं० 1-60/82 सीमेंट]

सी० के० मोदी, संयुक्त सचिव

### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

#### ORDER

New Delhi, the 18 December, 1982

**S.O. 851(E).**—In exercise of powers conferred by sections 18-G and 25 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following Order further to amend the Cement Control Order 1967, namely :—

1. (1) This Order may be called the Cement Control (Fourth Amendment) Order, 1982.

(2) It shall come into force with immediate effect.

2. In the Cement Control Order 1967, paragraph 9 shall be re-numbered as sub-paragraph (1) thereof and after sub-paragraph (1) as so re-numbered, the following sub-paragraph shall be inserted, namely :—

“(2) Where any producer fails to pay the amount within the period specified in sub-paragraph (1), he shall be liable to pay simple interest on such amount to be calculated at the rate of 20 per cent per annum, for the period of default of such payment.”

[F. No. 1-60/82-Cem.]

C. K. MODI, Jt. Secy.